वेद-वार्ता

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन की पत्रिका

News letter of Maharshi Sandipani Rashtriya Vedavidya Pratishthana,Ujjain

विक्रम संवत् २०७७-७९ | अप्रैल 2020 से फरवरी 2023 तक | सयुक्तांक | कुल पृष्ठ संख्या – 16

समाचार संकेतिका

- साचिव्यम् 1
- अखिल भारतीय वेद सम्मेलन-2022-23 का आयोजन 2
- यज्ञ शाला, ई-क्लास रूम एवं कम्प्यूटर लेब का उद्घाटन 6
- श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी का शुभारम्भ 7
- श्रीबद्रीनाथ धाम में सर्ववेदशाखा पारायण - 8
- "महाकाल लोक" लोकार्पण 9
- सुमंगलम् - सुजलाम् जल महोत्सव "चतुर्वेद-पारायण" - 9
- सभी इच्छुक व्यक्तियों के लिए वैदिक कक्षाएँ 10
- संगोष्ठियाँ 11
- वैदिक सम्मेलन 13
- वेद ज्ञान सप्ताह समारोह 18
- वैदिक मन्त्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग (ध्वन्यङ्कन) 19
- प्रतिष्ठान के मुख्य परिसर उज्जैन में 19
- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय वेद अनुसन्धान केन्द्र की गतिविधियाँ 19
- प्रतिष्ठान परिसर में विश्व वेद सम्मेलन आयोजन करने की स्वीकृति 20
- वेद प्रशिक्षण केन्द्र की गतिविधियाँ 20
- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का तृतीय पक्ष द्वारा मूल्याङ्कन 21
- वेद भूषण एवं वेद विभूषण परीक्षा तथा छात्रों हेतु पाठ्यपुस्तक निर्माण वेद विभूषण उत्तीर्ण छात्रों हेतु पद, 21
- क्रम, जटा, घन आदि आगे का पाठ्यक्रम 22
- महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद-संस्कृत शिक्षा बोर्ड/परिषद 22
- अनुलग्न - 11 23

साचिव्यम्

वन्दनीय वेदपाठियों एवं वेद हितैषियों!

आप के समक्ष इस संयुक्त वेदवार्ता का संयुक्त अंक प्रस्तुत करते हुए, प्रतिष्ठान की विविध सफलताओं को प्रस्तुत करते हुए आनन्द की अनुभूति हो रही है।

विगत 36 वर्षों से प्रतिष्ठान लगातार वेदों के भारत के विविध राज्यों में विविध कार्यक्रमों को आयोजित करते आ रहा है।

आप सभी को पता है कि श्रुति परंपरा से प्राप्त वैदिक अध्ययन, वेद मन्त्रपाठ के रीति, गुरु शिष्य की अखंड मौखिक परंपरा से प्रचलित क्रम के कारण वेदों के मौखिक प्रसारण को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत रूप में यूनेस्को-विश्व मौखिक विरासत सूची में मान्यता प्राप्त हुई है। इसलिए इस गौरव को निरन्तर बनाए रखने केलिए, सदियों सदियों पुरानी वैदिक शिक्षा (मौखिक परंपरा / सस्वर पाठ / वेद ज्ञान परंपरा) की प्राचीनता और संपूर्ण अखंडता को बनाए रखने के लिए सुयोग्य कार्यनीति की आवश्यकता है। यह नीति एवं कार्यप्रणाली ही प्रतिष्ठान की नीव है।

वेद भारतीय चिन्तन के, क्रम बद्ध तरीके से सोचने के, वैज्ञानिक ज्ञान के, विश्व शान्ति, सभी तरह के दुःख निवृत्ति के स्रोत हैं और संपूर्ण विश्व को आधुनिक समस्याओं के समाधान के लिए वेदों और भारतीय शास्त्रों के स्रोतों- वेदों की ओर पुनः निष्ठा से देखना होगा। जब तक छात्रों को वेदों का शुद्ध पाठ, शुद्ध सस्वर पाठ, शुद्ध वैदिक ज्ञान सामग्री और वैदिक दर्शन को आध्यात्मिक ज्ञान और वैज्ञानिक ज्ञान के रूप में नहीं पढ़ाया जाता है, नहीं जोडा जाता है, तब तक आधुनिक भारत की आकांक्षा को पूरा करने के लिए वेदों के संदेश का प्रसार पूर्ण रूप से संभव नहीं है।

अतः विविध योजनाओं के माध्यम से, प्रकाशनों से ,पाठ्यपुस्तकों के माध्यम से, सम्मेलनों के माध्याम से प्रतिष्ठान द्वारा वेद का संरक्षण, संवर्धन, प्रचार प्रसार किया जाता है, इन सब का केन्द्र बिन्दु वेदपाठी है, वेद गुरु हैं। अतः सभी से मैं आग्रह करता हूं कि हम सब को यह कार्य अत्यन्त निष्ठा एवं समर्पण के साथ समाज को जोडते हुए आगे बढाना है।

- विरूपाक्ष वि जड्डीपाल् (सचिव)

विक्रमोत्सव २०२३ (विक्रम संवत् 2079-80) के अवसर पर उज्जैन में

अखिल भारतीय वेद सम्मेलन-2022-23 का आयोजन

वैदिक सम्मेलन - प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक सम्मेलनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और ये सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। ये सम्मेलन आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, विद्यापीठों आदि के सहयोग से सम्पन्न किये जाते हैं। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा प्रतिवर्ष संपूर्ण देश में वेद के प्रचार एवं प्रसार को ध्यान में रखकर छह क्षेत्रीय वेद सम्मेलन, उत्तर पूर्व राज्य में एक क्षेत्रीय वेद सम्मेलन, एक अखिल भारतीय वेद सम्मेलन आयोजित किया जाता है। देश के युवा एवं प्रतिष्ठित वेद पाठी, मूर्धन्य वेद मनीषी इस में सम्मिलित होतें हैं।

उज्जैन, बाबा महाकाल के नगरी है, न्याय विद्या वेत्ता राजा विक्रम की नगरी है। इसे ध्यान में रख कर मध्य प्रदेश शासन द्वारा शिवरात्रि से गुडी पडवा तक विक्रम उत्सव मनाने का निर्णय लिया गया। इस अवसर पर, उज्जैन में अखिल भारतीय वेद सम्मेलन का आयोजन का उत्तर दायित्व प्रतिष्ठान को दिया गया है।

माननीय शिक्षा मन्त्री जी भारत सरकार, श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी का निर्देश है कि प्रतिवर्ष बाबा महाकाल के सन्निधि में वेद की सभी शाखों का वेद पारायण होना चाहिये, तथा वर्ष में एक बार उज्जैन में प्रतिष्ठान से संबद्ध वेदपाठी उपस्थित होकर वेद स्वाध्याय करें, वेद सन्देश यात्रा समाज में जागृति करें, संपूर्ण वर्ष का वेद कार्यक्रम बनावें, वेद के प्रचार व प्रसार में नवाचर लावें। इन निर्देशों को ध्यान में रखकर 25-27 फरवरी को प्रतिष्ठान परिसर में अखिल भारतीय वेद सम्मेलन का आयोजन किया गया।

विक्रमोत्सव 2023 (विक्रम संवत् 2079-80) के अवसर पर -2022-23 पूर्व सन्ध्या पर वेद सन्देश यात्रा -

अखिल भारतीय वेद सम्मेलन के पूर्व सन्ध्या पर दिनांक 24-2-2023 को उज्जैन नरग में वेदमन्त्रोचारण के साथ टावर से दशहरा मैदान तक भव्य शोभायात्रा-वेद सन्देश यात्रा, झांकियों के साथ निकाली गई, जिसमें नगर के गणमान्य लोग, पूर्व सन्ध्या में उपस्थित वेदपाठी, नगर के वेद छात्र एवं हजारों की संख्या में सामाजिक सम्मिलित हुए।

चिन्तामण गणेश मन्दिर तक वेद सन्देश यात्रा - महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा दिनांक 25 से 27 फरवरी, 2023 तक आयोजित त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वेद सम्मेलन के उद्घाटन सत्र के पूर्व प्रातः 8:30 बजे वेद शोभायात्रा वेदमन्त्रोचारण के साथ प्रतिष्ठान परिसर से चिन्तामण गणेश मंदिर तक भगवान श्री चितांमण गणेश जी से विश्वमंगल की कामना हेतु निकाली गई जिसमें देश के विभिन्न स्थानों से पधारे विशिष्ट अतिथि, वैदिक विद्वान, छात्रगण एवं प्रतिष्ठान के अधिकारी व कर्मचारीगण सम्मिलित हुए।

उद्घाटन एवं शुभारम्भ - कार्यक्रम का शुभारम्भ 25-2-2023 को प्रातः 11.00 बजे वैदिक मङ्गलाचरण के साथ विशिष्ट अतिथियों द्वारा सरस्वती माता की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्वलन कर व राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के छात्रों द्वारा अतिथियों के स्वागत हेतु संस्कृत में स्वागत गीत प्रस्तुत कर किया। मुख्य अतिथि डॉ. मोहन यादव, माननीय शिक्षा मंत्री, मध्यप्रदेश शासन, सारस्वत अतिथि प्रो. मुरली मनोहर पाठक, नई दिल्ली, प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष, श्रीश्रीश्री महन्त श्री विनीतगिरीजी

महाराज, महन्त गादी, श्री महाकालमन्दिर, उज्जैन, प्रो. के.ई. देवनाथन, तिरुपति, प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी, हरिद्वार मंच पर उपस्थित थे। प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् द्वार माननीय अतिथियों का शॉल श्रीफल से सम्मान किया गया। अतिथियों द्वारा प्रतिष्ठान द्वारा प्रकाशित पुस्तक "लघु मंत्र सम्पत्" का विमोचन किया गया। श्रीश्री महन्त श्री विनीतगिरीजी महाराज, महन्त गादी, श्री महाकालमन्दिर, उज्जैन लघु पुस्तक के प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं।

भारत सरकार के शिक्षा मंत्री एवं प्रतिष्ठान के अध्यक्ष जी माननीय श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी की भावनाओं को व्यक्त करते हुए डॉ. मोहन यादव, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, मध्यप्रदेश शासन ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह वेदविद्या प्रतिष्ठान जल्द ही केन्द्रीय वैदिक विश्वविद्यालय के रूप में परिवर्तित होगा, उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठान के विकास हेतु सभी आवश्यक कार्य किये जायेंगे।

वेद सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने कहा कि जनमानस में वेदों का ज्ञान प्रसारित करने की दृष्टि से तथा जनमानस को अपनी सात्विक ऊर्जा के साथ आध्यात्मिक समृद्धि की ओर ले जाने के उद्देश्य से यह वेद सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। वेद केवल धार्मिक पुस्तक नहीं है यह सम्पूर्ण मानवता के संस्कारों एवं मानवीय मूल्यों का मूल स्त्रोत है जिसको माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने जजमेंट में माना है। इस अवसर पर "लघु मंत्र सम्पत्" पुस्तक का विमोचन किया गया। यह पुस्तक सामान्य जन-मानस में वैदिक ज्ञान-विज्ञान को पहुंचाने एवं दैनिक कार्यकलाप में वेदों में निहित ज्ञान को उपयोग में लाने की दृष्टि से तैयार की गई है।

काशी से पधारे डॉ. अमलधारी सिंह ज द्वारा ऋग्वेद की शाङ्खायन शाखा की चारों प्रतियाँ माननीय मंत्री जी को भेंट की गई। श्रीश्रीश्री महन्त श्री विनीतगिरीजी महाराज, महन्त गादी, श्री महाकालमन्दिर, उज्जैन ने कहा कि जिस तरह से हमारे देश में पाश्चात्य संस्कृति हावी होती जा रही है उससे हमारे समाज को बचाने, भारत की संस्कृति एवं अस्तित्व को बचाने, अपने राष्ट्र व धर्म को सुरक्षित करने, अपनी आध्यात्मिक चेतना के उत्थान का एक मात्र मार्ग वेद ही है इस दृष्टि से ऐसे सम्मेलन एवं चिंतन शिविर की आवश्यकता है। वैदिक ज्ञान के आलोक में भौतिकता शुद्ध है भौतिकता में यदि वैदिक ज्ञान का आलोक न हो तो वह एक अभिशाप बन जाता है। विशेष रूप से उपस्थित प्रतिष्ठान के पूर्व उपाध्यक्ष एवं उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी ने कहा कि संपूर्ण विश्व को शांति, समृद्धि एवं सद्भाव को विकसित करने का एकमात्र साधन वेद ही है जिसके प्रचार-प्रसार की आवश्यकता संपूर्ण जन-मानस को है। श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्री विश्वविद्यालय के प्रो. मुरली मनोहर पाठक जी के कहा कि वैदिक छात्रों के विकास के लिए हम सतत् प्रयत्नशील है और हम हर समय किसी भी प्रकार की व्यवस्था के लिए तत्पर हैं। तिरुपति वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.ई. देवनाथन ने भी अपने विचार रखें।

प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि पाश्चात्त्य विश्वविद्यालयों में भले ही वैदिक परम्परा न हो परन्तु वहां के छात्रों में वेद के प्रति गहरी आस्था है सभी की दृष्टि हमारी वैदिक परम्परागत वेदाध्ययन के प्रति है और विश्व के विश्वविद्यालयों में वेद के शोध पर कार्य किए जा रहे है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अनूप कुमार मिश्र, अनुभाग अधिकारी एवं धन्यवाद ज्ञापन श्री संजय श्रीवास्तव, सहायक निदेशक द्वारा किया गया।

वेद शाखा स्वाध्याय एवं शाखा पारायण (प्रथम दिन) - 25-2-2023 को 2.30 बजे पंडाल में प्रत्येक शाखा का वेद स्वाध्याय का योजन किया गया, जिस में राष्ट्रीय आदर्श वेदविद्यालय के वेद अध्यापकों ने संयोजन किया। ऋग्वेद शाखा का पारायण में वरेण्य पं. विनायक मोरोश्वर घैसास गुरुजी पुणे, पं. उदय वैद्य, स्वर्णवल्ली, श्री सत्यम शुक्ल , श्री चिदानन्द शास्त्री,उज्जैन श्री विकाश पाण्डेय गाजियाबाद, पं आदित्य मयंकर दीपक भाटे. पं. दीरज खलीकर, गुरुप्रसाद विनायक पुजारी, पं किशन शर्मा, पं अवधूत टाकलीकर, श्री राम जी शुक्ल, श्रीराम विनायक धानोरकर जी एवं अन्य उपस्थित रहे।

शुक्लयजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा का पारायण पं. प्रशान्त जोशी, श्री स्वप्निल मोहनराव पाठक जी उज्जैन, डॉ मणि कुमार झा, विजय महेश पाठक, आचार्य चन्द्रशेखर तिवारी, पं विद्याधर मिश्र, रामकुमार शर्मा, पवन कुमार मिश्र, ओम प्रकाश सिग्देल, जय नारायण शर्मा, नित्यानंद आचार्य, अनिरुद्ध जनार्दन देशमुख, मनोज खानाल, रामजी प्रसाद मिश्र, अविकाश मिश्र, अनुज कुमार, डॉ. ब्रजेश कुमार झा, त्रिलोचन चौधुरी, श्री प्रसाद भास्करराव पाठक एवं अन्य उपस्थित रहे। शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा का पारायण में पं. सौरभ बन्दोपन्त शास्त्री, पं. आनन्द रत्नाकर शास्त्री, पं पंकज शर्राफ, पं. गोपाल कृष्ण पण्डा, विरञ्चि नारायण रथ,पं. चेतन शर्मा, दुर्गा शरण रथ ,पं. व्यास नारायण दाश, दीपेश कुमार दुबे, श्री कुमार महापात्र एवं अन्य उपस्थित रहे।कृष्णयजुर्वेद तैत्तिरीय शाखा में शुक्लयजुर्वेद काण्व शाखा का पारायण में पं. वीरराघवघनपाठी, पं यादवेश शर्मा, पं. धनञ्जयभिडे, पं. श्यमसुन्दरधर्माधिकारी, पं. तिरुमलजोशी, पं.हरिहरभट्ट पं. वीरेश्वरदातार, पं. चैतन्यमुखरिया, पं. भास्करजोशी एवं अन्य वेदपाठी उपस्थित रहे। सामवेद जैमिनि शाखा में पं शैलेश देशपाण्डे केरल से उपस्थित रहे। सामवेद राणायनीय शाखा पारायण में पं. श्री कृष्ण पलस्कर, पं. दत्तदास शेवडे एवं अन्य वेदपाठी उपस्थित रहे। सामवेद कौथुम शाखा पारायण में पं मंजुनाथ श्रौती, पं. सौरभ नौटियाल जी डॉ. जयप्रकाश द्विवेदी एवं अन्य उपस्थित रहे। अथर्ववेद पारायण में पं श्री श्रीधर अडि जी, स्त्री देशिक नारायण कस्तूरे, डॉ. मिथिलेश पाण्डेय, श्री ऋषिकेश पाण्डेय, श्री धर्मेन्द्र शर्मा, ओम प्रकाश द्विवेदी, देवेंद्र कुमार तिवारी, नारायण लाल शर्मा, अलकेश पाण्डेय, महेश कुमार तिवारी, अमित तिवारी एवं अन्य वेदपाठी उपस्थित रहे। अथर्ववेद पैप्पलाद शाखा में पं कुञ्जबिहारी उपाध्याय, पं अशोक कुमार मिश्र, पं प्रणव पण्डा, पं मलय पण्डा, पं देवेन्द्र कुमार मिश्र, पं श्याम बाबू शुक्ल तथा अन्य वेदपाठी उपस्थित रहे।

वेदविषयक व्याख्यान - द्वितीय सत्र में शाम 5.00 बजे से प्रो. के.ई. देवनाथन, पूर्व कुलपति वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय, तिरुपति ने वेद भाष्य अध्यापन पर एवं प्रो. हृदयरंजन शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ने सस्वर वेद अध्यापन में गुणवत्ता पर व्याख्यान प्रदान किये।

सांस्कृतिक कार्यक्रम - सायंकाल 7.20 को पं. श्री राकेश शर्मा, शुक्ल यजुर्वेद माध्यन्दिन शाखा अध्यापक महोदय ने सरस्वती वन्दना प्रस्तुत की। सायंकाल 7.30 बजे से संगीत विदुषी सुश्री श्वेता जोशी, धार द्वारा सुमधुर गायन प्रस्तुत किया गया जिसे सभी ने सराहा। रात में 8.00 बजे से राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के छात्रों ने तत्त्वमसि नाम के लघु नाटक प्रस्तुत किया, जिसे श्री शिवंकर पाठक जी

द्वारा रचिय एवं निर्देशित किया गया है।

26-2-2023 को प्रातः वेद सन्देश यात्रा - दिनांक 26-2-2023 को उज्जैन नरग में वेदमन्त्रोचारण के साथ महाकाल घाटी से क्षीर सागर तर भव्य शोभायात्रा-वेद सन्देश यात्रा, झांकियों के साथ निकाली गई, जिस में नगर के गणमान्य लोग, पूर्व उपस्थित हजारों वेदपाठी, नगर के 300 से ज्यादा वेद छात्र एवं हजारों संख्या में सामाजिक सम्मिलित हुए।

वेद शाखा स्वाध्याय एवं शाखा पारायण (द्वितीय दिन) - 26-2-2023 को प्रातः 10.00 बजे से 12.30 तक एवं 2.30 से 5.00 बजे तक पंडाल में प्रत्येक शाखा का वेद स्वाध्याय का योजन किया गया, जिस में राष्ट्रीय आदर्श वेदविद्यालय के वेद अध्यापकों ने संयोजन किया। उपस्थित वेदपाठी वेद पारायण एवं वरिष्ठ वेद पाठियों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए वेद पारायण किया।

वेदविषय व्याख्यान - 5.00 बजे द्वितीय दिन के व्याख्यान में प्रो. ओमप्रकाश पाण्डेय पूर्व सचिव, वेदविद्याप्रतिष्ठान ने वेद में भारतीय एवं पाश्चात्य शोध दृष्टि पर, प्रो. देवीप्रसादत्रिपाठी, पूर्व उपाध्यक्ष, वेदविद्याप्रतिष्ठान ने लुप्त प्राय वेदशाखाओं का संरक्षण उपाय के विषय में व्यख्यान प्रस्तुत किया। इस वेदविषय व्याख्यान सत्र में महामण्डलेश्वर श्री स्वामी शान्तिस्वरूपानन्द गिरी जी महाराज जी (चार धाम मन्दिर) का पावन संनिधि एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। श्री महामण्डलेश्वर जी ने सस्वर वेद अध्ययन के साथ साथ वेद अर्थ ज्ञान प्राप्त करने, पाठ्यक्रमें में वेद अर्थ को जोडने भारतीय चिन्तन पर बल दिया। बहुत गंभीर चर्चा हुई। प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् ने अध्यक्षता की।

परीक्षा एवं कौशल विकास पर चर्चा - प्रो. मुरली मनोहर पाठक, कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वद्यालय, नई दिल्ली, प्रो. गिरीश पन्त जी, शासी परिषत् सदस्य, प्रो. गणेश भारद्वाज जी, परियोजना समिति सदस्य, प्रो. मुरलीकृष्ण जी, प्रोफेसर (केन्द्रीय संस्कृत विश्वद्यालय नई दिल्ली के कुलपति जी के द्वारा मनोनीत सदस्य), नई दिल्ली प्रो. मधुकेश्वर भट्ट (केन्द्रीय संस्कृत विश्वद्यालय नई दिल्ली के कुलपति जी के द्वारा मनोनीत सदस्य), एवं प्रो. किशोर चन्द्र पाढी, पूर्व कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की परीक्षाएं एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदसंस्कृत शिक्षा बोर्ड की परीक्षा आयोजन हेतु चर्चा किया गया एवं गुणवत्ता बनाये रखने हेतु सुझाव दिये गये। इस अवसर पर वैदिक छात्रों के विविध कौशल विकास पर चर्चा की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रम - राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के छात्रों ने भव्य तरीके से योगप्रदर्शन प्रस्तुत किया। श्री अभिषेक माथुर जी के साथ तबला वादन में छात्रों ने साथ दिया।

वेद शाखा स्वाध्याय एवं शाखा पारायण (तृतीय दिन) - 27-2-2023 को प्रातः 9.00 बजे से 11.30 तक बजे पंडाल में प्रत्येक शाखा का वेद स्वाध्याय का योजन किया गया, जिस में राष्ट्रीय आदर्श वेदविद्यालय के वेद अध्यापकों ने संयोजन किया। उपस्थित वेदपाठी वेद पारायण एवं वरिष्ठ वेद पाठियों से मार्गदर्शन प्राप्त करते हुए वेद पारायण किया।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा - 27-2-2023 को प्रातः 11.30 बजे से 12.30 तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर चर्चा एवं परीक्षा पर चर्चा का शेष विचार पर चर्चाएँ होंगी। माननीय चमू कृष्ण शास्त्री जी का व्याख्यान योजित है।

अखिल भारतीय वेद सम्मेलन का संपूर्ति सत्र - विक्रमोत्सव 2023 (विक्रम संवत् 2079-80) के अवसर पर उज्जैन में अखिल भारतीय वेद सम्मेलन-2022-23 का संपूर्ति सत्र 27-2-2023 को अपराह्न 3.00 बजे आयोजित होगा। इस संपूर्ति सत्र में वेद के मूर्धन्य मनीषी उपस्थित रहकर मार्गदर्शन करेंगे।

यज्ञ शाला, ई-क्लास रूम एवं कम्प्यूटर लेब का उद्घाटन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण जवासिया, उज्जैन स्थित मुख्यालय के 23 एकड विस्तृत परिसर में संचालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय एवं देशभर में प्रतिष्ठान से अनुदानित वेदपाठशालाओं / गुरू-शिष्य परम्परा इकाइयों में अध्ययनरत छात्रों को कौशल विकास प्रशिक्षण के उद्देश्य से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रतिष्ठान परिसर, उज्जैन में नवनिर्मित ९ कुण्डीय, 16 स्तंभ की यज्ञशाला, 150 व्यक्तियों के बैठक क्षमता के ऑडिटोरियम, 40 कम्प्यूटर की कम्प्यूटर कक्षा एवं व्हाइटबोर्ड, स्क्रीन से सुसज्जित ई-कक्षा, श्री वेदव्यासजी की प्रतिमा का उद्घाटन दिनांक 4-5-2022 को श्री धर्मेन्द्र प्रधानजी, माननीय शिक्षा मंत्री,भारत सरकार तथा प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय के करकमलों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर डॉ. मोहन यादवजी, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, मध्यप्रदेश शासन, श्री सुरेश सोनीजी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की अखिल भारतीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं संस्कृति के संरक्षण, श्री अनिल फिरोजियाजी, माननीय सांसद, उज्जैन-आलोट क्षेत्र, श्री पारस जैन जी, माननीय विधायक, उज्जैन उत्तर, श्री के.संजय मूर्तिजी, माननीय उच्चशिक्षा सचिव, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, श्री चमूकृष्ण शास्त्रीजी, अध्यक्ष, भारतीय भाषाओं का संवर्धन हेतु भारत सरकार द्वारा गठित उच्च समिति, प्रो. सुहास एस.जोशीजी, निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, इन्दौर, प्रो. चिन्तामणि मालवीयजी, पूर्व लोकसभा सदस्य, उज्जैन, प्रो. प्रफुल्ल कुमा मिश्रजी, माननीय उपाध्यक्ष, मसारावेविप्र तथा केन्द्र एवं राज्य सरकार तथा शिक्षा मंत्रालय के अधिकारी एवं विद्वतजन उपस्थित थे।

यज्ञशाला :- राष्ट्रीय आदर्श वेदविद्यालय, उज्जैन परिसर में 100 छात्र आवासीय रूप से अध्ययनरत हैं। ये वेद छात्र प्रतिदिन यज्ञशाला में यज्ञ, अनुष्ठान, मंत्र जाप करते हैं। प्रतिष्ठान में प्रशिक्षण हेतु आने वाले वेद अध्यापक एवं अलग-अलग वेदपाठशालाओं / इकाइयों के छात्र भी यज्ञ विद्या का प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त करते हैं।

कम्प्यूटर लेब : प्रतिष्ठान परिसर में स्थित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में नवनिर्मित 40 कम्प्यूटर उपकरणों से सुसज्जित कम्प्यूटर लेब में वेद अध्ययनरत छात्र वेद विद्या के साथ साथ तकनीकि कौशल एवं कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। वेद एवं आधुनिक विषय अध्यापको को भी कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

ई-क्लास रूम : वेदविद्या के अध्ययन के साथ-साथ छात्र ई-कक्षा में स्मार्ट बोर्ड, स्क्रीन का प्रायौगिक तौर पर संचालन, आधुनिक तकनीकि ज्ञान प्राप्त करने के लिए कम्प्यूटर, इन्टरनेट, कौशल प्रशिक्षण के विभिन्न वीडियो/ऑडियो को देखकर अपने कौशल विकास में वृद्धि कर रहे हैं। समस्त वेद एवं आधुनिक विषय अध्यापकों को भी ई-कक्षा के माध्यम से अध्यापन तकनीकि का ज्ञान प्राप्त कराया जा रहा है।

4-10-2022 को महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी का शुभारम्भ

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, के भारत सरकार शिक्षा मन्त्रालय की स्वायत्तशासी संस्थान है। भारत सरकार के माननीय शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता माननीय मन्त्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय हैं, प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष महोदय हैं। इस अवसर पर पुरी क्षेत्र के माननीय विधायक श्री जयन्त कुमार षडङ्गी, श्री केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ के पूर्व कुलपति प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, पुरी कलेक्टर श्री समर्थ वर्मा आई.ए.एस एवं अन्य गणमन्य अतिथि उपस्थित थे।

इस अवसर पर भारत सरकार के माननीय शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी ने समस्त देशवासियों एवं राष्ट्र के कल्याण के लिए यज्ञ कार्यक्रम में भाग लिया।

वेदों का सस्वर अध्ययन-अध्यापन एवं वैदिक पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण, संवर्धन, प्रचार एवं प्रसार की दृष्टि से, वेद के सभी शाखाओं एवं आधुनिक अध्ययन विषय जैसे संस्कृत, विज्ञान, गणित, वैदिक गणित, समाजविज्ञान, आंग्लभाषा, संगणक (कंप्यूटर), योग आदि बोधन सुविधा सम्पन्न श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय का शुभारम्भ भारत सरकार के माननीय शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय के कर कमलों द्वारा ओडिशा में भगवान् श्री जगन्नाथ धाम, पुरी में 4/10/2022 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय परिसर, श्री सदाशिव परिसर, ओडिशा में किया गया। प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष महोदय

भारत सरकार के माननीय शिक्षा, कौशल विकास, उद्यमिता मन्त्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय के कर्तृत्वशक्ति से, माननीय प्रधान मन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन को ओडिसा में कार्यान्वयन करने के उपक्रमों से यह श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी साकार हुआ है। इस वेद विद्यालय में विज्ञान लेब, कम्प्यूटर लेब, ई-क्लास /डिजिटल क्लास आदि नवीन सुविधाएँ भी धीरे धीरे उपलब्ध करायी जाएंगी। वेद अध्ययन करने वाले छात्रों के सभी तरह के व्यक्तित्व विकास, कौशल विकास एवं तकनीकी में प्रशिक्षण पर बल मिलेगा।

श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय का शुभारम्भ माननीय प्रधान मन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का विजन है, विशेषतः भगवान् श्री जगन्नाथ धाम, पुरी में, संपूर्ण ओडिसा राज्य हेतु बहुत बडा कार्य है, यह दिन स्वर्णाक्षर में लिखने योग्य दिन है। श्री जगन्नाथ पुरी वासियों को, ओडिसा राज्य के वेद अध्ययन, संस्कृत अध्ययन, भारतीय ज्ञान प्रणाली के आराधकों का हम अभिनन्दन करते हैं।

सभी वेदों का उच्च अध्ययन, संस्कृत अध्ययन, भारतीय ज्ञान प्रणाली, राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 को बढावा देने हेतु ओडिसा में यह दिन बहुत महत्त्व पूर्ण दिन रहेगा, श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय के इन सभी उपक्रमों को बार बार याद किया जायेगा। वेद अध्ययन को आधुनिक अध्ययन से जोडकर नयी दिशा दी जायेगी। माननीय शिक्षा मन्त्रीजी, भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय के कार्य प्रणाली अनुसार देश के चारधामों में एक-एक तथा उत्तर-पूर्वी राज्य में एक, इस प्रकार कुल पांच राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की स्थापना की जाएगी।

1) पुरी (ओडिशा), 2) श्रृंगेरि (कर्णाटक), 3) द्वारका (गुजरात), 4) बद्रीनाथ (उत्तराखण्ड), 5) गुवाहाटी (असम)

पाँच नवीन राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालयों से पुरी का विद्यालय प्रथम विद्यालय है, जिस का 4/10/2022 को माननीय केन्द्रीय शिक्षामन्त्री भारत सरकार श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के कर कमलों द्वारा ओडिशा में भगवान श्री जगन्नाथ धाम, पुरी में शुभारम्भ किया गया है।

इस विद्यालय में वेदभूषण चतुर्थ (कक्षा 9वीं) एवं पंचम वर्ष (कक्षा 10वीं) तथा वेदविभूषण प्रथम (कक्षा 11वीं) एवं द्वितीय वर्ष (कक्षा 12वीं) में प्रवेश दिया गया। वर्ष 2022-23 सत्र में 29 छात्र प्रवेश ले चुके हैं। श्री जगन्नाथ राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, पुरी में वेद के विद्यार्थियों के कौशल विकास कार्यक्रमों, कंप्यूटर प्रशिक्षण, मन्दिर प्रबन्धन, मन्दिरों में पूजा करने वालों को भी वेदों का शुद्ध सस्वर उच्चारण, स्वर संचालन पर प्रशिक्षण आयोजित होंगे। भारतीय ज्ञान प्रणाली (Indian Knowledge System) के मूलाधार वेद हैं।

इस विद्यालय में नि:शुल्क आवास, भोजन एवं चारों वेदों के सस्वर पारम्परिक एवं आधुनिक विषयों का - संस्कृत, योग, विज्ञान, गणित, वैदिक गणित, समाजविज्ञान, संगणक (कम्प्यूटर), आंग्लभाषा का अध्ययन कराया जा रहा है। वैदिक कृषि विद्या का भी परिचय एवं प्रयोग का अभ्यास कराया जा रहा है।

श्रीबद्रीनाथ धाम में सर्ववेदशाखा पारायण -

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के उद्देश्यानुरूप वेदों की सस्वर मौखिक परम्परा को सामान्य जनमानस तक पहुचाने एवं चारपीठों में से भगवान शंकराचार्य अथर्ववेदपीठ जो कि बद्रीनाथ जैसे दुरूह प्रान्त के निवासियों हेतु श्रीबद्रीनाथ धाम में सर्ववेदशाखा पारायण किया गया जिसमें माननीय प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र (उपाध्यक्ष, म.सा.रा.वे.वि.प्र.) एवं राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय एवं प्रतिष्ठान से सम्बद्ध विभिन्न पाठशालाओं के वेदाध्यापकों की उपस्थिति रही।

"महाकाल लोक" लोकार्पण

महाकाल मंदिर विस्तार में महाकाल लोक का निर्माण किया गया है। इसका लोकार्पण भारतवर्ष के यशस्वी प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदीजी द्वारा दिनांक 11 अक्टूबर 2022, मंगलवार शाम को किया गया।

इस शुभावसर पर माननीय सचिव महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन के अध्यापकों एवं छात्रों के द्वारा माननीय प्रधानमन्त्रीजी के सम्मुख मन्त्रोच्चारण किया गया।

श्री महाकालेश्वर मन्दिर प्रबन्ध समिति एवं प्रतिष्ठान के सयुक्त तत्वावधान में सुमंगलम् - सुजलाम् जल महोत्सव "चतुर्वेद-पारायण" -

उपर्युक्त अवसर पर चतुर्वेद पारायण का आयोजन का श्री महाकाल के आंगम में वरेण्य वैदिक विद्वानों द्वारा निम्नानुसार किया गया।

दिनांक 5/12/2022 से 11/12/2022 तक ऋग्वेद शाखा का पारायण श्री उमाकान्त सामन्त पुरी, श्री गिरिधारी महापात्र अलवर, श्री विकाश पाण्डेय गाजियाबाद, श्री पुष्कर लाल शर्मा हरदा (म.प्र.), श्री सत्यम शुक्ल उज्जैन तथा अन्य छात्रगण द्वारा किया गया। दिनांक 12/12/2022 से 17/12/2022 तक शुक्लयजुर्वेद माध्यान्दिन शाखा का पारायण श्री राधेश्याम पाठक जी उज्जैन, श्री स्वप्निल लाखे, श्री आकाश रावल, श्री शेषनाथ तिवारी तथा छात्रगण द्वारा किया गया। दिनांक 18/12/2022 से 22/12/2022 तक सामवेद का पारायण डॉ. जयप्रकाश द्विवेदी, श्री महेन्द्र नाथ, श्री श्रीमिष्ठन श्रैती जी द्वारा किया गया। दिनांक 23/12/2022 से 27/12/2022 तक अथर्ववेद का पारायण डॉ. मिथिलेश पाण्डेय, श्री ऋषिकेश पाण्डेय, श्री धर्मेन्द्र शर्मा तथा छात्रगण द्वारा किया गया। दिनांक 28/12/2022 को संघसंचालक राष्ट्रीय स्वयं सेवा संघ डॉ. मोहनराव भागवत जी ने सुमङ्गलम् सुजलाम् जल महोत्सव में पुनीत अवसन पर राजाधिराज बाबा महाकाल के आंगन में एक रजत स्तम्भ का अनावरण कर पवित्र जल को संरक्षित करने हेतु सुन्दर सन्देश दिया।

Assessment of Quality in Veda Recitation with intonation through the Application of Artificial Intelligence-Machine Learning - (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-मशीन लर्निंग के अनुप्रयोग के माध्यम से वैदिक सस्वर पाठ में गुणवत्ता का आकलन)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य के साथ विगत 35 वर्षों से वैदिक अध्ययन अध्यापन की मौखिक उच्चारण की परम्परा को जीवंत बनाए रखने के लिए देश के अलग-अलग राज्यों में वेदपाठशाला एवं गुरू-शिष्य परम्परा योजना इकाइयों में वेद अध्ययनरत छात्रों को छात्रवृत्ति तथा अध्यापकों को मानदेय जारी किया जा रहा है । इसके साथ ही वेद के महत्व को जनसाधारण तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ सभा, सम्मेलन, संगोष्ठी, वेद संदेश यात्रा, वेद ज्ञान सप्ताह आदि अनेक आयोजन किए जा रहे हैं । प्रतिष्ठान द्वारा वेदपाठशालाओं में अध्ययनरत छात्रों को वेद ज्ञान के साथ तकनीकि एवं आधुनिक विषयों का अध्यापन करने के लिए भी अध्यापकों को मानदेय जारी किया जा रहा है ।

शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र दिनांक 16.1.2023 के अनुपालन में प्रतिष्ठान द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस –मशीन लर्निंग की तकनीकि के अनुप्रयोग के माध्यम से वैदिक सस्वर पाठ एवं स्वरों के लिए हस्त संचालन प्रदर्शन में गुणवत्ता का साफ्टवेअर के माध्यम से आकलन करने के उद्देश्य से प्रायौगिक तौर पर तैयार किए गए साफ्टवेअर का प्रदर्शन शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली में 21 जनवरी, 2023 को किया गया तथा इस परियोजना के लिए वित्तीय सहायता हेतु प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय को प्रेषित किया गया ।

प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वैदिक पाठ्यक्रम को कौशल विकास एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम में सम्बन्ध करने के लिए योजना :

प्रतिष्ठान की 45वीं शासी परिषद की दिनांक 2-1-2023 माननीय शिक्षा मंत्रीजी, भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में माननीय अध्यक्ष महोदय द्वारा दिए गए निर्देशानुसार भारतीय प्राचीन संस्कृति एवं वेदों में निहित प्राचीन ज्ञान एवं कला के प्रचार प्रसार एवं वेद अध्ययनरत छात्रों को रोजगार से जोडने के उद्देश्य से प्रतिष्ठान द्वारा अनुदानित वेद पाठशालाओं /इकाइयों में अध्ययन वेद छात्रों को सस्वर वेद कंठस्थीकरण एवं उच्चारण की शुद्धता के साथ साथ मन्दिर में पूजा विधि, स्त्रोतपाठ, वास्तु, ज्योतिष आदि प्राचीन कलाओं एवं संस्कृति का ज्ञान होना अत्यन्त आवश्यक है ।

इस उद्देश्य से माननीय शिक्षा मंत्रीजी ने प्रतिष्ठान को वेद अध्ययनरत छात्रों के लिए मन्दिर में पूजा विधि का प्रशिक्षण, ज्योतिष विद्या का ज्ञान, स्त्रोतपाठ, वास्तुकला का प्रशिक्षण देने हेतु निरन्तर रूप से विभिन्न साप्ताहिक, मासिक आधार पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने हेतु निर्देशित किया । इसके साथ ही माननीय मंत्रीजी ने छात्रों को कौशल विकास से जोडने एवं रोजगारोंन्मुखी पाठ्यक्रम आरंभ करने हेतु शिक्षा मंत्रालय के माध्यम से प्रस्ताव राष्ट्रीय व्यवसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (National Council for Vocational Educational and Training) को प्रेषित करने हेतु निर्देशित किया । माननीय शिक्षा मंत्रीजी एवं शासी परिषद के निर्देशानुसार प्रतिष्ठान द्वारा पत्र दिनांक 17-2-2023 द्वारा राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (National Council for Vocational Educational and Training) के लिए प्रस्ताव शिक्षा मंत्रालय में प्रस्तुत किया गया है ।

पाँच राष्ट्रीय आदर्श वेदविद्यालय स्थापित करने की प्रक्रिया

देश के पाँच स्थानों में - गुजरात में द्वारका, उत्तराखण्ड में बद्रीनाथ, पूर्वोत्तर राज्य में गुवाहटी, उडीसा में पुरी तथा कर्नाटक में श्रृङ्गेरी मेंअथवा इन प्रदेशों के आस-पास जहाँ 10-15 एकड भूमि उपलब्ध हो वहाँ पाँच राष्ट्रीय आदर्श वेदविद्यालय स्थापित करने की प्रक्रिया जारी है। इन में वेदों के विविध शाखाओं में उच्च गुणवत्तापूर्वक अध्ययन एवं अध्यापन होगा।

सभी इच्छुक व्यक्तियों के लिए वैदिक कक्षाएँ

वैदिक अध्ययन तथा तत्सम्बन्धी जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए उन सभी को जो इस विषय में रुचि रखते हैं, चाहे भले ही उनके पास कोई शैक्षिक अर्हता न हो, वैदिक कक्षाएँ चलाने की योजना है। इस योजना के अंतर्गत, वेद के सभी विशिष्ठ विषयों पर 100 व्याख्यान दिए जाते हैं, जो प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को दो-दो व्याख्यान के रूप में होते हैं। पाठ्यक्रम का स्वरूप जिसमें व्याख्यान मालाओं के विषय भी शामिल हैं, का निर्धारण प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है। वर्ष 2021-22 के दौरान सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ के आयोजन की स्वीकृति प्रदान की गई।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, भरतपुरी, उज्जैन (मध्यप्रदेश) में सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ आयोजित -

प्रतिष्ठान के भरत पुरी परिसर में प्रारम्भ "सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ" कोराना महामारी के कारण संचालित नहीं की जा रही थी। कोरोना महाव्याधि की रफ्तार कम हेने के कारण, केन्द्र एवं राज्य सरकार की अनुमति के बाद दिनांक 26.2.2022 से पुनः कक्षा प्रारम्भ की गई तथा प्रति सप्ताह व्याख्यान आरम्भ हुए। इस कार्यक्रम का संयोजन श्री कुञ्जबिहारी पाण्डेय जी करते हैं।

संगोष्ठियाँ -

वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान के प्रोत्साहन के लिए प्रतिष्ठान द्वारा प्राथमिकता के क्षेत्रों में संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। ये संगोष्ठियाँ प्रतिष्ठान द्वारा पूर्ण अथवा आंशिक रूप से वित्तपोषित की जाती हैं।

कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय, नलबारी (असम) में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी आयोजित -

दिनांक 23-24 मार्च 2021 को कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं इन्सेंट स्टडी विश्वविद्यालय, नलबारी (असम) तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में पूर्वोत्तर राज्य में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन नलबारी में किया गया। इस अवसर पर देश के मूर्धन्य मनीषि उत्तरपूर्व राज्य असम में उपस्थित रहे। कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन भाषाओं के विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दीपक शर्मा जी के निर्देशन में यह आयोजन सफलता पूर्वक किया गया। गुवाहाटी विश्वविद्यालय के सम्माननीय आचार्यों, एवं शोधार्थियों का योगदान सराबनीय रहा।

वर्ष 2021-22 में प्रतिष्ठान द्वारा इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों में से 5 अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठियों को स्वीकृति प्रदान की। जिसमें से 3 अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठियों का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् है -

संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी आयोजित

दिनांक 23-25 अक्टूबर 2021 को संस्कृत विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "वैदिक साहित्य में विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी : आधुनिक परिप्रेक्ष्य में" विषय पर अखिल भारतीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन नई दिल्ली में किया गया।

दिनांक 23 अक्टूबर 2021 को उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, इन्दिरा गान्धी राष्ट्रीय कला केन्द्र के सदस्य सचिव विशिष्ट वक्ता डॉ. सच्चिदानन्द जोशी तथा प्रतिष्ठान के सचिव प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् उपस्थित थे।

दिनांक 23 से 25 अक्टूबर 2021 से आयोजित सङ्गोष्ठी में दिल्ली, हरियाणा, उत्तरप्रदेश, राजस्थान के विद्वानों ने सहभागिता की। विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रो. सिद्धार्थ शंकर सिंह, प्रो. कमलाकान्त मिश्र, प्रो. रामनाथ झा, प्रो. लक्ष्मीश्वर झा, प्रो. रमेशचन्द्र पाण्डेय, प्रो. रामसेवक दुबे, प्रो. राजेश्वर प्रसाद मिश्र द्वारा की गई। इस प्रकार से त्रिदिवसीय सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। समापन सत्र में संस्कृत भारती के संघटन मन्त्री श्री दिनेश कामत जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कन्या महाविद्यालय, जालन्धर में राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी आयोजित -

दिनांक 11-12 मार्च 2022 को कन्या महाविद्यालय, जालन्धर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "वेदों में आदर्श समाज की अवधारणा" विषय पर राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन जालन्धर में ऑनलाईन में आयोजित किया गया।

दिनांक 11 मार्च 2022 को उद्घाटन सत्र के अवसर पर प्रो. राजेश्वर मिश्र, प्रो. शिवानी शर्मा, डॉ. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल, प्रो. लेखराम शर्मा आदि आनलाईन उपस्थित थे।

विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रो. दिनेश शास्त्री, श्री केशवानन्द कौशल, प्रो. बलवीर आचार्य, प्रो. रघुवीर, प्रो. दलबीर सिंह द्वारा की गई। इस प्रकार से द्विदिवसीय सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

संस्कृत विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) में राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी आयोजित-

दिनांक 14-15 मार्च 2022 को संस्कृत विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में "वैदिक वाङ्मय में विविध आयाम एवं प्रासङ्गिकता" विषय पर राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सागर में साक्षात् उपस्थिति में किया गया।

दिनांक 14 मार्च 2022 को उद्घाटन सत्र के अवसर पर प्रो. नीलिमा गुप्ता, पूर्व कुलपति संमाननीय प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र, श्री संतोष सोहगौरा, प्रो. भवतोष इन्द्र गुरु उपस्थित थे।

दिनांक 14 तथा 15 मार्च 2022 से आयोजित सङ्गोष्ठी में मध्यप्रदेश, दिल्ली, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, उडीसा आदि के विद्वानों ने सहभागिता की। विभिन्न सत्रों की अध्यक्षता प्रो. गिरीशचन्द्र पन्त, डॉ. इला घोष, डॉ. पूर्णचन्द्र उपाध्याय, डॉ. ओमप्रकाश शास्त्री द्वारा की गई। समापन सत्र में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, प्रो. विजय कुमार सी.जे., प्रो. अमलधारी सिंह आदि उपस्थित थे। इस प्रकार से द्विदिवसीय राष्ट्रीय वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

वैदिक सम्मेलन

प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक सम्मेलनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और ये सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। प्रतिवर्ष एक अखिल भारतीय और क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। उद्घाटन और समापन समारोह के साथ ये सम्मेलन त्रिदिवसीय आयोजित किये जाते हैं। ये सम्मेलन आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाओं, विश्वविद्यालयों, विद्यापीठों आदि के सहयोग से सम्पन्न किये जाते हैं। उन स्थानों पर, जहाँ ऐसी संस्थाएँ उपलब्ध नहीं हैं, सम्मेलन आयोजित करने के लिए प्रसिद्ध विद्वानों एवं गणमान्य व्यक्तियों की आयोजन-समितियाँ गठित की जाती हैं।

वर्ष 2021-22 में प्रतिष्ठान द्वारा इस प्रकल्प हेतु विभिन्न संस्थाओं से प्राप्त प्रस्तावों में से 1 अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन एवं 7 क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन करने की स्वीकृति प्रदान की गयी। जिसमें से 1 अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन एवं 2 क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है:-

श्री संकठ मोचन हनुमान जी मन्दिर ट्रस्ट वेद विद्यालय, लखनऊ (उत्तरप्रदेश) में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित -

दिनांक 19 से 21 मार्च 2021 तक श्री संकट मोचन हनुमान जी मन्दिर ट्रस्ट वेद विद्यालय, लखनऊ तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन लखनऊ में किया गया। श्री संकट मोचन हनुमान जी मन्दिर ट्रस्ट के न्यासी गण के सहयोग से एवं राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, लखनऊ परिसर के आचार्यों का सराहनीय योगदान रहा।

प्राच्य विद्या संस्कृत प्रतिष्ठानम्, गुवाहाटी असम में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन आयोजित

दिनांक 08 से 10 जनवरी 2022 तक प्राच्य विद्या संस्कृत प्रतिष्ठानम् कामरूप तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन गुवाहाटी में किया गया।

इस अवसर पर कुलपति प्रो. मुरलीधर शर्मा, कुलपति प्रो. मुरली मनोहर पाठक, श्री कृष्ण पुराणिक, श्री अनिल रिणवा, श्री वसंत सुराणा, आचार्य इन्द्रदेव मिश्र, श्री लीलाराम गौतम, श्री आनन्द मिश्र, डॉ. रंजन चक्रवर्ती, डॉ. सत्यदेव पोद्दार, श्री हेमंत सिंग मजुमदार आदि उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित वेदपाठियों ने मिलकर, श्री कृष्ण पुराणिक जी के निर्देशन में पारायण किया।

वेद विज्ञान गुरुकुल, बेंगलूरु में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन-2022

दिनांक 04-06 नवम्बर, 2022 को वेद विज्ञान गुरुकुल, चन्नेनहल्लि, बेंगलूरु सम्बद्ध कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यलय, तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का अयोजन किया गया। सम्मेलन अवसर पर प्रथम दिन मित्रविन्देष्टि यज्ञ श्री शिवराम नरसिंह भट्ट, महालक्ष्मी नरसिंह भट्ट, श्रीधर हेगड़े, महादेव नागेश भट्ट द्वारा सम्पन्न किया गया। साथ ही वेद की समस्त शाखाओं का पारायण सूदूर प्रान्तों से आकर वेदपाठियों द्वारा किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य सूत्रधार डॉ. महाबलेश्वर एस. भट्ट निदेशक वेद विज्ञान शोध संस्थान, बेंगलूरु थे। कार्यक्रम में श्री विवेकानन्द योग अनुसन्धान संस्थान-विश्वविद्यालय, बेंगलूरु के कुलपति प्रो. रामचन्द्र भट्ट कोटेमने मुख्य अतिथि थे। इस कार्यक्रम में शिक्षा भारती की और से भव्य प्रदर्शिनी सुनियोजित की गई थी। इस कार्यक्रम में कर्नाटक, चेन्नई, आन्ध्रप्रदेश, महाराष्ट्र आदि प्रान्तों से वेदपाठी उपस्थित हुए। इस अवसर पर गुरुकुलों की विद्य व्यवस्था एवं विद्या प्रणाली पर आश्रित एक प्रदर्शनी आयोजित की गई। इस अवसर पर मान्य श्री सुरेश सोनी जी, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मान्य श्री सुरेश सोनी जी ने भारतीय गुरुकुलों के विषय में वेद विज्ञान शोध संस्थान द्वारा शुभारम्भ प्रदर्शनी का शुभारम्भ किये।

इस समय में भारतीय शिक्षण मण्डल का गुरुकुल प्रकल्प का विशेष सत्रों में देश विदेश से पधारे अतिथियों ने भाग लिया एवं गुरुकुलों पर चर्चा प्रस्तुत किये।

अनन्तपुरी (तिरुवनन्तपुरम) केरल, वेद सम्मेलन-2022

दिनांक 6-8 जनवरी, 2023 को अनन्तपुरी वेद सम्मेलन People for Dharma श्री अनन्तपुरी (तिरुवनन्तपुरम) केरल तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया गया।

दिनांक 06/01/2023 को प्रथम सत्र में श्री पद्मनाभ स्वामी मन्दिर में वेद की शाखाओं का पारायण किया गया। द्वितीय सत्र में भारत के वेद पारायण की परम्परा पर उपस्थित वेद के विद्वानों ने अपने-अपने विचार प्रकट करते हुए वेदपाठ किया। श्री अनन्तपुरी (तिरुवनन्तपुरम) में वेद शोभायात्रा, वेद ज्योति प्रयाण आदि आयोजित हुआ। श्री वेङ्कटेश्वर वेद विश्वविद्यालय के प्रभारी कुलपति प्रो. राणी सदाशिव मूर्ति जी इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे।

केरल के माननीय राज्यपाल जी श्री आरीफ मोहम्मद खान इस वेद सम्मेलन के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर

वेदों का, केरळ में वेद अध्ययन का, वैदिक परम्परा एवं संस्कृति का महत्त्व पर प्रकाश डाला। अपने वक्तव्य में उन्होंने अनेक संस्कृत श्लोकों एवं वेद मन्त्रों का उद्धरण प्रस्तुत कर उद्घाटन सत्र को यशस्वी बनाया।

तृतीय सत्र में सामवेद की भिन्न-भिन्न शाखाओं में, विशेषतः केरळीय पद्धति के क्रम में, पारायण की चर्चा करते हुए गेयगान प्रस्तुत किया गया। इसी तरह इसी दिन चतुर्थ और पंचम सत्र में सामवेद तथा वेद में नमस्कीर्तनम् के माहात्म्य पर चर्चा करते हुए वेद पारायण सम्पन्न किया गया। इस दिन श्री हरिहर राघवेन्द्र घनपाठी तिरुनेलवेली, श्री विजय राघवशास्त्रीगल चेन्नई, श्री रामश्रौतीगल तिरुपति आदि विद्वान् उपस्थित थे।

दिनांक 7/01/2023 को श्री पद्मनाभ स्वामी मन्दिर में वेद परायण सम्पन्न किया गया। पारायण के बाद संक्षिप्त समय में, सात सत्रों में वेद की भिन्न-भिन्न शाखाओं पर चर्चा करते हुए वेद पारायण सम्पन्न किया गया। दिनांक 8/01/2023 को 5 सत्रों में वेद पारायण सम्पन्न हुआ। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन की सम्पूर्ति हुई।

अयोध्या में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन- 2022

दिनांक 11 से 13 अक्टूबर, 2022 को महर्षि वशिष्ठ विद्या समिति अयोध्या, उ.प्र., श्रीराम वेदविद्यालय एवं प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयेजन सम्पन्न हुआ।

दिनांक 11/10/2022 को प्रथम दिन उद्घाटन सत्र का कार्यक्रम पूज्य कमलनयन दास जी महाराज की अध्यक्षता में दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस सत्र में विशिष्ट अथिति प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र उपाध्यक्ष महर्षि सा. रा. वे. वि. प्रतिष्ठान उज्जैन, मुख्य अतिथि प्रो. एस. सुदर्शन शर्मा पूर्व कुलपति वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय तिरुपति, सारस्वत अतिथि श्री राम जन्म भूमि न्यास के माननीय सचिव श्री चम्पतराय जी थे। इस सत्र में आगत विद्वानों तथा अतिथियों का आभार श्री हरिशंकर जी द्वारा किया गया। इस सत्र के अतिरिक्त समय में वेद की सभी शाखाओं का पारायण आगत वेदपाठियों द्वारा किया गया तथा संचालन श्री राधाकृष्ण मनोड़ी जी द्वारा किया गया।

दिनांक 12/10/2022 को पूज्य अवधेश जी महाराज जी की अध्यक्षता में सभी वेद की शाखाओं का मंगलाचरण से प्रारम्भ हुआ। मुख्य अतिथि डॉ. अरुण कुमार मिश्र, उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार, मुख्य उद्बोधक प्रो. ओम प्रकाश पाण्डेय, पूर्व सचिव महर्षि सा. रा.वे. वि. प्रतिष्ठान उज्जैन, सारस्वत अतिथि प्रो. भगवत शरण शुक्ल वाराणसी आदि विद्वान् थे।

दिनांक 13/10/2022 को श्री रमेश तिवारी जी की अध्यक्षता में सभी वेद की शाखाओं में पारायण के साथ किया गया। विशिष्ट अतिथि डॉ. विष्णुकान्त शुक्ल जी, सारस्वत अतिथि प्रो. गणेश भारद्वाज, मुख्य अतिथि डॉ. अशोक थपलियाल तथा विशिष्ट अतिथि प्रो. देवी प्रसाद त्रिपाठी कुलपति उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्याल हरिद्वार थे। सम्मेलन में सूदूर प्रन्तों से आगत वेदपाठियों ने स्व-स्व शाखा का पारायण किया। इस तरह त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन सम्पन्न हुआ।

श्री चक्रमहामेरू पीठम्, बिलासपुर (छत्तीसगढ) में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित -

त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन, श्री चक्रमहामेरू पीठम्, बिलासपुर (छत्तीसगढ)

दिनांक 06 से 08 अगस्त 2021 तक श्री चक्रमहामेरु पीठम्, बिलासपुरतथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन बिलासपुर (छत्तीसगढ) में किया गया। इस अवसर पर डॉ. एस. वेणुगोपालन, प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, आर. कृष्णमूर्ति शास्त्री, नन्दलाल श्रोत्रिय, नारायणलाल शर्मा, अजय कुमार दीक्षित, सौभिक पाहाडी आदि उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवर पर उपस्थित वेदपाठियों ने मिलकर, क्रमशः वेद शाखास्वाध्याय एवं पारायण किया।

श्री जयराम विद्यापीठ, कुरूक्षेत्र (हरियाणा) में त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित-

दिनांक 25 से 27 अक्टूबर 2021 तक श्री जयराम विद्यापीठ, कुरुक्षेत्र तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन कुरुक्षेत्र में किया गया।

इस अवसर पर प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्र, ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी, डॉ. रमेश कुमार पाण्डेय, डॉ. दिनेश शास्त्री, प्रो. शिव शंकर मिश्र, डा. रणबीर भारद्वाज, प्रो. राम सलाही द्विवेदी, प्रो. सुरेन्द्र मोहन मिश्र, प्रो. रामराज उपाध्याय, प्रो. गोपाल प्रसाद शर्मा आदि उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवर पर उपस्थित वेदपाठियों ने मिलकर, क्रमशः वेद शाखास्वाध्याय एवं पारायण किया।

स्वामी तिलक वैदिक विद्या समिति के अंतर्गत, वेद विद्यालय-वैदिक विद्यापीठ, छीपानेर (चिचोट), हरदा (म.प्र.) में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन आयोजित -

दिनांक 09 से 11 नवम्बर 2022 तक स्वामी तिलक वैदिक विद्या समिति तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन हरदा में किया गया।

इस अवसर पर पूर्व कुलपति प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, प्रो. रामचन्द्र भट्ट तथा प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल् आदि उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

वेदस्थली शोध संस्थान, श्री महेश्वरानन्द सांगवेद संस्कृत विद्यालय, हरिद्वार में त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन आयोजित -

दिनांक 07 से 09 अक्टूबर 2022 तक वेदस्थली शोध संस्थान, श्री महेश्वरानन्द सांगवेद संस्कृत विद्यालय तथा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन हरिद्वार में किया गया।

इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय शिक्षा मन्त्री डॉ. रमेश पोखिरियाल 'निशंक', मुख्यमन्त्री पुष्कर सिंह धामी, बालकृष्णजी, देवीप्रसाद त्रिपाठी, प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, प्रो. दिनेश चन्द्र आदि उपस्थित थे। इस प्रकार त्रिदिवसीय अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

वेद ज्ञान सप्ताह समारोह

वर्ष 2021-22 के दौरान 4 वेद ज्ञान सप्ताह समारोह का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया, जिसका विवरण निम्नवत है :-

अमितारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मन्दिर, हुगली (प.बं.) द्वारा वेद ज्ञान सप्ताह आयोजित -

दिनांक 21 से 27 अक्टूबर 2021 को स्वैच्छिक कार्यवाही के लिए अमितारंजन शंकरीबाला वेदविद्या, हुगली तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन हुगली पश्चिम बंगाल में किया गया।

आयोजन के प्रथम दिन दिनांक 21.10.2021 को शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में श्यामप्रसाद अधिकारी, पार्थ सारथी अधिकारी, सीतानाथ मिश्र, प्रो. निवेदिता अधिकारी आदि उपस्थित थे।

कालीपाडा स्मृति चतुष्पाठी, मिर्जापुर, बांकुडा (प.ब.) द्वारा वेद ज्ञान सप्ताह आयोजित -

दिनांक 17 से 23 दिसम्बर 2021 तक को कालीपाडा स्मृति चतुस्पाठी, मिर्जापुर, बांकुडा तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन मिर्जापुर (प.बं.) में किया गया।

आयोजन के प्रथम दिन शोभायात्रा निकाली गई। इसके पश्चात् कार्यक्रम में डॉ. गोविन्द पात्र, सचिन चट्टोपाध्याय, श्रीमती बासन्ती चट्टोपाध्याय, प्रो. निवेदिता अधिकारी, पार्थ सारथी अधिकारी, सीतानाथ मिश्र, हरिसाधन चक्रवर्त्ती आदि उपस्थित थे।

राकावत देशस्थ ऋग्वेदी ब्राह्मण महासभा, बीकानेर (राज.) द्वारा वेद ज्ञान सप्ताह आयोजित-

दिनांक 25 से 31 दिसम्बर 2021 तक रकावत देशस्थ ब्राह्मण महासभा, बीकानेर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन बीकानेर में किया गया। आयोजन के प्रथम दिन दिनांक 25.12.2021 को शोभायात्रा निकाली गई।

कार्यक्रम में राजगुरु स्वामी विशोकानन्द भारती, नखतबन्ना धुना, स्वामी अमरनन्द भारती, विन्यानन्द महाराज, ओमशंकर स्वामी, रामदयाल चौधरी, शिवशंकर ओझा, डॉ. राजभारती शर्मा आदि उपस्थित थे।

कार्यक्रम में राजगुरु स्वामी विशोकानन्द भारती, नखतबन्ना धुना, स्वामी अमरनन्द भारती, विन्यानन्द महाराज, ओमशंकर स्वामी, रामदयाल चौधरी, शिवशंकर ओझा, डॉ. राजभारती शर्मा आदि उपस्थित थे।

साहित्य संस्थान इंस्टिट्यूट आफ राजस्थान स्टडीज, जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर (राज.) द्वारा वेद ज्ञान सप्ताह आयोजित -

दिनांक 21 से 27 मार्च 2022 को स्वैच्छिक कार्यवाही के लिए साहित्य संस्थान इंस्टिट्यूट आफ राजस्थान स्टडीज, जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ, उदयपुर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन उदयपुर (राज.) में किया गया।

वैदिक मन्त्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग (ध्वन्यङ्कन)

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान एवं सावित्री बाई फुले पुणे विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद शाखा संरक्षण हेतु सस्वर वेद शाखाओं की रिकार्डिंग की गई तथा सीडी तैयार की गई जिसकी संख्या ४० डी.वी.डी. में निर्मित की गई। विवरण निम्नानुसार है -

वेदशाखा दर्शन - इस प्रकल्प में कुल मिलाकर २१ डी.वी.डी. तैयार हुयी है। इसके द्वारा एक ही शाखाओं के मन्त्रोच्चारण भेद का अभ्यास करना, स्वर दिखाने की प्रक्रिया के भेदों का अध्ययन करना सम्भव होगा। उच्चारण परम्परा में मूलसंहिता, विकृतिपाठ और परम्परा में पठित ग्रन्थों का परिचय परीलक्षित होगा।

वेदपुरुष दर्शन - इस प्रकल्प में कुल १९ डी.वी.डी. का निर्माण हुआ है। इसमें शाखा के मूर्धन्य वैदिकों का साक्षात्कार किया है। इस साक्षात्कार में शाखा की विशेषताएँ, व्यक्तिगत जीवन, वेदशाखा संरक्षण के उपाय इस सम्बन्ध में जानकारी संकलित की गयी है। अभी कुछ शाखाओं की रिकार्डिंग वैदिक उपलब्ध न होने के कारण शेष हैं। वेद शाखाओं की रिकार्डिंग में प्रो. रवान्द्र मूळे जी का योगदान विशेष रूप से सराहनीय रहा।

प्रतिष्ठान के मुख्य परिसर उज्जैन में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय

आदर्श वेद विद्यालय की स्थापना की परिकल्पना वर्ष 1998 में की गई , दिनांक 14 दिसम्बर 2017 तथा दिनांक 24 मई 2018 को आयोजित शासी परिषद की बैठक में प्रतिष्ठान द्वारा तैयार किये गए नीति-दिशा निर्देश का अनुमोदन किया गया, जिसके अनुसार राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय पूर्ण रूप से संविदात्मक माडल के आधार पर है। तदनुसार राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय का दिनांक 27 सितम्बर 2018 को प्रतिष्ठान के अध्यक्ष माननीय मन्त्री श्री प्रकाश जावडेकर जी के द्वारा शुभारम्भ किया गया। छात्रों को प्रकाश जावडेकर जी के द्वारा शुभारम्भ किया गया। छात्रों को वेद के अतिरिक्त संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामान्य विज्ञान, कम्प्यूटर, योग, संगीत आदि विषयों का भी अध्ययन एवं अभ्यास कराया जाता है। राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में वेद की मौखिक परम्परा में उपलब्ध 9 शाखाओं का पारम्परिक सस्वर अध्यापन कराया जा रहा है। सत्र 2021-22 में 78 छात्र इस वेदविद्यालय में वेद की शाखाओं का अध्ययन कर रहे हैं।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय को पूर्ण छात्र संख्या के साथ संचालित करने के लिए प्रयास किये जा रहे हैं। इस विद्यालय के अन्तर्गत वेद के 16 वेद अध्यापक तथा संस्कृत एवं आधुनिक विषय के 6 अध्यापक एवं सहायक कर्मचारी के रूप में 4 कर्मचारी कार्यरत हैं।

वेद अनुसन्धान केन्द्र की गतिविधियाँ

वेद अनुसन्धान केन्द्र के अन्तर्गत प्रतिष्ठान द्वारा निरन्तर प्रतिमाह के अन्तिम सप्ताह में वेद के विविध विषयों से सम्बन्धित ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान आयोजित किए जा रहे हैं –

1. दिनांक 31 जुलाई 2021 को "वेदों में विश्वशान्ति का सन्देश" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेबिनार सङ्गोष्ठी में मुख्य वक्ता थे आचार्य (प्रो.) प्रफुल्ल कुमार मिश्र, कुलाधिपति, राजेन्द्र प्रसाद कृषि विश्वविद्यालय, बिहार, कुल 45 विद्वान श्रोता इस कार्यक्रम में भाग लिये।

2. दिनांक 31 अगस्त 2021 को"आधुनिक दृष्टि से वेदों की उपादेयता" विषय परआयोजित राष्ट्रीय वेब सङ्गोष्ठी में मुख्य वक्ता थे डॉ. निरञ्जन मिश्र, सहाचार्य, वेदभाष्य विभाग, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, कुल ८५ विद्वान श्रोता इस कार्यक्रम में भाग लिये।

3. दिनांक 24 सितम्बर 2021 को सायं 4 से 5 बजे तक "वेदों में पर्यावरण चिन्तन" विषय पर राष्ट्रीय वेब सङ्गोष्ठी में मुख्य वक्ता प्रो. भगवत शरण शुक्ल, भूतपूर्व विभागाध्यक्ष, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, कुल 145 विद्वान् श्रोता इस कार्यक्रम में भाग लिये।

4. दिनांक 12 नवम्बर 2021 को सायं 4 से 5 बजे तक "यज्ञों का महत्त्व एवं प्रासङ्गिकता" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेब सङ्गोष्ठी में मुख्य वक्ता थे डॉ. नारायाण आचार्य प्रोफेसर, राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, कुल 86 विद्वान श्रोता इस कार्यक्रम में भाग लिये।

5. दिनांक 30 नवम्बर 2021 को सायं 4 से 5 बजे तक "वैदिक साहित्य में अनुसन्धान का विविध आयाम" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेब सङ्गोष्ठी में मुख्य वक्ता थे प्रो. ब्रज किशोर स्वाईं आचार्य, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, कुल 76 विद्वान श्रोता इस कार्यक्रम में भाग लिये।

6. दिनांक 28 दिसम्बर 2021 को सायं 4 से 5 बजे तक "वैदिक साहित्य में अनुसन्धान पद्धति का विश्लेषण" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेब सङ्गोष्ठी में मुख्य वक्ता थे प्रो. ब्रज किशोर स्वाईं आचार्य, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, कुल १५२ विद्वान श्रोता इस कार्यक्रम में भाग लिये।

7. दिनांक 28 जनवरी 2022 को 4 से 5 बजे तक "वैदिक ज्ञान प्रणाली" (Vedic Knowledge Sysytem) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेब सङ्गोष्ठी में मुख्य वक्ता थे प्रो. रामराज उपाध्याय, पौरोहित्य विभाग, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, कुल १४७ विद्वान् श्रोता इस कार्यक्रम में भाग लिये।

8. दिनांक 28 फरवरी 2022 को 4 से 5 बजे तक "वैदिक ज्ञान परम्परा" (Vedic knowledgeTradition) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेब सङ्गोष्ठी में मुख्य वक्ता थे डॉ. सुन्दर नारायण झा, वेद विभाग, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, कुल १०३ विद्वान श्रोता इस कार्यक्रम में भाग लिये।

9. दिनांक 29 मार्च 2022 को 4 से 5 बजे तक "ऋग्वेदिक मण्डलों पर चिन्तन" (Thoughts of the Rigvedic Mandalas) विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वेब सङ्गोष्ठी में मुख्य वक्ताथे श्री पं. सत्यम् शुक्ल, वेदाध्यापक, राष्ट्रिय आदर्श वेदविद्यालय, म. सा. रा. वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन, कुल ११३ विद्वान श्रोता इस कार्यक्रम में भाग लिये।

प्रतिष्ठान परिसर में विश्व वेद सम्मेलन आयोजन करने की स्वीकृति

प्रतिष्ठान की 42वीं शासी परिषद बैठक में लिए गये निर्णयानुसार - वैश्विकस्तर पर वैदिक ज्ञान विज्ञान और परम्परा, वेदों में अनुसन्धान के नवाचार, वेदों में विश्व शान्ति एवं सद्भावना, वेदों के मानविक सन्देश, वेदों में आधुनिक ज्ञान विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ पारम्परिक ज्ञान को जोड़ने, वेदों में निहित ज्ञान राशि एवं विभिन्न देशों में वेदों के विषय में हो रहे नवाचार एवं अनुसन्धान को देश के शोधार्थियों एवं जन-जन तक पहुँचाने हेतु यथाशीघ्र वेद अनुसन्धान केन्द्र द्वारा प्रतिष्ठान परिसर में विश्व वेद सम्मेलन का आयोजन किए जाने हेतु स्वीकृति प्रदान की गई है।

वेद प्रशिक्षण केन्द्र की गतिविधियाँ

प्रतिष्ठान की 42वीं शासी परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयानुसार – वेद पाठियों एवं वेद छात्रों के द्वारा वेदों के सस्वर उच्चारण में सराहनीय गुणवत्ता लाने के लिए मूर्धन्य वेदपाठियों से प्रति वर्ष प्रशिक्षण प्रदान करने की स्वीकृति प्रदान की। वेद के छात्रों को आधुनिक धारा से जोड़ने के लिए प्रतिष्ठान के आधुनिक पाठ्यक्रम (सामाजिक विज्ञान, विज्ञान आदि) वेद में निहित आधुनिक ज्ञान एवं वेद (भाष्य) अर्थ का भी समावेश कर विकसित किया जाना है। यह निर्देश दिया गया, कि उपयुक्त शैक्षणिक उपाय किये जाएँ ताकि पारम्परिक सस्वर वेदपाठी छात्र वेदों के अर्थ समझने, बोलने एवं प्रचार-प्रसार करने में सक्षम हों।

प्रतिष्ठान परिसर में स्थापित वेद प्रशिक्षण केन्द्र के अन्तर्गत प्रतिष्ठान से अनुदानित वेद पाठशालाओं एवं गुरु-शिष्य परम्परा योजना इकाइयों में अध्यापनरत वेद एवं आधुनिक विषय अध्यापकों के कौशल विकास हेतु निरन्तर प्रशिक्षण कार्यक्रम, पुनश्चर्या पाठ्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय, उज्जैन का तृतीय पक्ष द्वारा मूल्याङ्कन

प्रतिष्ठान परिसर, उज्जैन में संचालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की निरन्तरता के लिए तृतीय पक्ष/स्वतंत्र मूल्यांकन समिति की द्वितीय बैठक दिनांक 30 एवं 31 दिसम्बर, 2021 को प्रतिष्ठान परिसर उज्जैन में साक्षात उपस्थिति/ऑनलाइन माध्यम से आयोजित हुई। इस समिति की प्रथम बैठक 17 मार्च 2021 को ऑनलाइन माध्यम/साक्षात उपस्थिति के माध्यम से दिल्ली में हुई थी।

तृतीय पक्ष मूल्यांकन समिति का प्रतिवेदन तथा प्रतिष्ठान परिसर में संचालित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की निरन्तरता के लिए मन्त्रालय से प्राप्त निर्देशानुसार स्थायी वित्त समिति के समक्ष ज्ञापन (SFC Memorandum) मन्त्रालय को प्रेषित कर दिया गया है।

वेद भूषण एवं वेद विभूषण परीक्षा तथा छात्रों हेतु पाठ्यपुस्तक निर्माण

(अ) वेद भूषण एवं वेद विभूषण परीक्षाएँ

प्रतिष्ठान द्वारा वेदभूषण प्रथम से तृतीय वर्ष (प्रथमा/आठवीं समकक्ष) वेद भूषण चतुर्थ से पंचम वर्ष (मध्यमा/दसवीं समकक्ष) एवं वेद विभूषण प्रथम एवं द्वितीय (उत्तर मध्यमा/ग्यारहवीं एवं बारहवीं समकक्ष) परीक्षाएँ प्रतिवर्ष संचालित की जातीं हैं। इन परीक्षाओं में 7000 से भी अधिक छात्र प्रतिवर्ष भाग लेते हैं। विविध विश्वविद्यालयों द्वारा उच्च कक्षा में प्रवेश हेतु प्रतिष्ठान की परीक्षाओं की समकक्ष मान्यता प्रदान की गई है, जिसे अनुलग्नक - 11 में उल्लेखित किया गया है।

(आ) छात्रों हेतु विविध विषय का पाठ्यपुस्तक निर्माण

प्रतिष्ठान की 42 वीं शासी परिषद की बैठक में लिए गए निर्णयानुसार - वेद के छात्रों को आधुनिक धारा से जोड़ने के लिए प्रतिष्ठान के आधुनिक पाठ्यक्रम (सामाजिक विज्ञान, विज्ञान, गणित, अंग्रेजी आदि) को वेद में निहित आधुनिक ज्ञान एवं वेद (भाष्य) अर्थ का भी समावेश कर विकसित किया जाना है। यह निर्देश दिया गया, कि उपयुक्त शैक्षणिक उपाय किये जाएँ ताकि पारम्परिक सस्वर वेदपाठी छात्र वेदों के अर्थ समझने, बोलने एवं वेद के अर्थ को समझकर प्रचार-प्रसार करने में सक्षम हों। माननीय शिक्षा मन्त्रीजी एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष महोदय ने निर्देशित किया कि प्रतिष्ठान में वेद छात्रों को वेद एवं विज्ञान के साथ जोड़कर अध्ययन कराया जाए तथा इस दिशा में पाठ्य पुस्तक अध्ययन सामग्री तैयार करायी जाए।

प्रतिवेदनाधीन वर्ष में इन सभी निर्देशों के अनुपालन में प्रतिष्ठान द्वारा संचालित वेदभूषण एवं वेदविभूषण पाठ्यक्रम में अध्ययन कर रहे छात्रों के सम्यक् गुणवत्तापूर्वक अध्ययन के लिए संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामान्य विज्ञान, कम्प्यूटर, योग आदि पाठ्यपुस्तकों का विकास किया जा रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में पाठ्य पुस्तकों का लेखन कार्य तथा सम्पादन कार्य जारी है।

अंग्रेजी (English Language), सामाजिक विज्ञान (Social Science), गणित (Mathematics), विज्ञान (Science), भारतीय ज्ञान-विज्ञान परम्परा एवं प्रयोग (Indian Knowledge System and its Application), वैदिक साहित्य का इतिहास (History of Vedic Literature-) के पाठ्यक्रम निर्माण 2021-2022 तक जारी है।

वेद विभूषण उत्तीर्ण छात्रों हेतु पद, क्रम, जटा, घन आदि आगे का पाठ्यक्रम

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन की 42वीं शासी परिषद् की बैठक में लिए गए निर्णयानुसार प्रतिष्ठान की स्थापना के उद्देश्यों एवं वेद परम्परा की रक्षा में इन पद, क्रम, जटा, घन आदि पाठ्यक्रमों की अत्यन्त आवश्यकता को ध्यान में रखकर शासी परिषद ने पद, क्रम, जटा, घन, ब्राह्मण-ग्रन्थ, प्रातिशाख्य, वेद भाष्य, वेदाङ्ग, वेद अध्यापन प्रशिक्षण आदि में नये वेद पाठ्यक्रम को प्रतिष्ठान मुख्यालय में संचालित करने के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की। राष्ट्रीय आदर्श वेदविद्यालय के अध्यापकों ने अथक परिश्रम से पद, क्रम आदि पाठ्यक्रमों को तैयार किये है

वेद गुरु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम- 2023-24 से वेद गुरु प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालिकत करने हेतु स्वीकृति प्राप्त है। इस पाठ्यक्रम को डी.एल.एड मॉडल पर आवश्यकता के अनुपरूप तैयार किया गया है। पाठ्यपुस्तक एवं पाठ्यक्रम तैयारी में राष्ट्र भारती प्रशिक्षण महाविद्यालय के अध्यापकों का सहयोग लिया गया है।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद-संस्कृत शिक्षा बोर्ड/परिषद

देश में वेद एवं संस्कृत शिक्षा क्षेत्र में पूर्व-डिग्री स्तर/उच्चतर माध्यमिक स्तर तक की शिक्ष को आधुनिक शिक्षा से जोडकर मानकीकरण, परीक्षा, सम्बद्धता, मान्यता, प्रमाणीकरण, सत्यापन, पाठ्यक्रम और वेदों की मौखिक परम्परा, पारम्परिक वैदिक या संस्कृत शिक्षा, पाठशाला प्रणाली, प्राच्य शिक्षा के सशक्तिकरण के लिए महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद संस्कृत शिक्षा बोर्ड का निर्माण एवं गठन हेतु उपनियम बनाकर महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के नियम 14 (iv) (एफ) के तहत शासी परिषद् एवं महासभा से 27-2-2019 को स्वीकृति प्राप्त कर ली गई है। इस अखिल भारतीय बोर्ड का "शैक्षिक क्षेत्र है" पारम्परिक शिक्षा की एक प्रणाली (1) सस्वर वेद पाठशाला (2) वेद की गुरु शिष्य परम्परा इकाई (3) संस्कृत के पूर्णकालिक पाठशाला, वेद अतिरिक्त विषय और प्राच्य आधार विषयों के रूप में आधुनिक विषय/मुख्य घटक/लघु विषय (4) प्रातःकालीन औरया सांयकालीन वेद/संस्कृत पाठशाला (5) संस्कृत माध्यम विद्यालय वेद/संस्कृत अतिरिक्त विषय के साथ तथा आधुनिक विषय आधार/ प्राच्यविषयों/ लघुविषयों के अतिरिक्त विषयों के साथ और (6) पारम्परिक प्राच्यविद्या के विद्यालय वेद/संस्कृत विषयों के प्रमुख घटकों के साथ जो राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचा की पुष्टि के अनुरूप होंगे। इसके अलावा शैक्षिक क्षेत्रों में भारतीय पारम्परिक ज्ञान/भारतीय परम्परा के अनुरूप 14 विद्या स्थान सम्मिलित होंगे, जैसे कि वेद, वेदभाष्य, वेदाङ्ग, पुराण, धर्मशास्त्र और दर्शन जैसे विषय जो विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान आदि।

भारत सरकार का शिक्षा मन्त्रालय की अधिसूचना होने के दिनाङ्क से, प्रतिष्ठान के नियमों 14 (iv) (एफ) के प्रयोजनों के लिए महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद-संस्कृत शिक्षा बोर्ड/परिषद् प्रभावी होगा और कार्य करना प्रारम्भ करेगा। बोर्ड का प्रधान कार्यालय महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान परिसर, उज्जैन में होगा तथा भारत सरकार के आदेशों के अन्तर्गत प्रतिष्ठान बोर्ड का नियन्त्रण प्राधिकारी होगा। अधिकारी एवं कर्मचारियों को संविदा के आधार पर लेकर अधिसूचना होने के दिनाङ्क से कार्य शुरु करने हेतु उपनियम में प्रावधान किये गये हैं। उपनियम, पाठ्यक्रम. सम्बद्धता नियम आदि पर सीबीएसई, एनसीईआरटी की स्वीकृति प्राप्त है। भारतीय विश्वविद्यलाय संघ द्वारा महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद-संस्कृत शिक्षा बोर्ड को स्वीकृति दिया गया है। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद-संस्कृत शिक्षा बोर्ड/परिषद् के उपनियम, परीक्षा नियम, सम्बद्धता नियम, शैक्षिक उपनियम पर 8 अगस्त 2022 भारत सरकार का शिक्षा मन्त्रालय द्वारा मान्यता प्रदान की गई है।

अनुलग्न - 11

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के "वेद भूषण" (दसवीं/पूर्वमध्यमासमकक्ष) एवं "वेद विभूषण" (बारहवीं/उत्तर-मध्यमा समकक्ष) पाठ्यक्रमों को समकक्ष मान्यता प्रदान करने वाले विश्वविद्यालयों के नाम

1. राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली द्वारा

   पत्र सं. 8-2/RSKS/Acd/Misc./2009-10/92 दिनांक 23 जून, 2011/केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली

   वेद भूषण - समकक्ष (10वीं) वेद विभूषण – समकक्ष (10 + 2)

2. राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय) तिरुपति द्वारा

   पत्र सं. RSVP/Recg/2011-12/1283 दिनांक 15 दिसम्बर, 2011/राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति

   वेद भूषण समकक्ष - एस.एस.सी. (10वीं) वेद विभूषण - समकक्ष प्राक् शास्त्री (10+2)

3. श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति, आं.प्र. द्वारा

   पत्र सं. SVVU/R.Peshi/Gen/103/2012 दिनांक 13 जुलाई, 2012

   वेद भूषण समकक्ष वेद विभूषण - समकक्ष माध्यमिक एवं 10+2 परीक्षा

4. कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरु, कर्नाटक द्वारा

   पत्र सं. KSU/SSN/2012-13/185 दिनांक 19 नवम्बर, 2012

   वेद भूषण - समकक्ष वेद प्रवेश एवं वेद मूल /काव्य वेद विभूषण – समकक्ष साहित्य

5. जगद्गुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान द्वारा

   पत्र सं./जरारासंविवि/शैक्ष./12/5955 दिनांक 11/10/2012

   वेद भूषण – समकक्ष वेद विभूषण – समकक्ष वरिष्ठ उच्चतर माध्यमिक

6. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, ओडिशा द्वारा

   पत्र सं. 4454/2013S.J.S.V., Puri Aca - 13/2000 दिनांक 30 अप्रैल, 2013

   वेद भूषण - समकक्ष वेद विभूषण – समकक्ष उपशास्त्री (+2 कला)

7. श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्व महाविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय) कांचीपुरम, तमिलनाडु

   द्वारा पत्र सं. F/SCSVMV/REG/2012-13/D396 दिनांक 27 जून, 2013

   वेद भूषण – समकक्ष 10वीं वेद विभूषण - समकक्ष 12वीं

8. गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय (मानित विश्वविद्यालय), हरिद्वार, उत्तराखण्ड द्वारा

   पत्र सं. Acad/Res/2065/2013-14 दिनांक 14 सितम्बर, 2013

   वेद भूषण – समकक्ष विद्याधिकारी वेद विभूषण – समकक्ष विद्याविनोद

9. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक हरियाणा द्वारा

   पत्र सं. AC - 3/F - 208/2014/7221 दिनांक 27 मार्च, 2014

   वेद भूषण – समकक्ष विद्याधिकारी वेद विभूषण - समकक्ष विद्याविनोद

10. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार, द्वारा पत्र सं. 850/प्रशासन/2016 दिनांक 03 फरवरी, 2016

वेद भूषण - समकक्ष वेद विभूषण - समकक्ष 12वीं

11. इलाहाबाद विश्वविद्यालय, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, प्रयागराज द्वारा

पत्र सं. CS/AC-4/2019/1246 दिनांक 15 अप्रैल, 2019

वेद भूषण – समकक्ष 10वीं वेद विभूषण - समकक्ष 12वीं

12. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू), केन्द्रीय विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा

पत्र सं. आई.जी./एस.आर.डी./आर-IV/समकक्ष /2019/590 दिनांक 4 अप्रैल, 2019

वेद भूषण - समकक्ष 10वीं वेद विभूषण - समकक्ष 12वीं

13. पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ द्वारा पत्र सं. ST-1802 दिनांक 12 फरवरी, 2019

वेद भूषण - समकक्ष मध्यमा वेद विभूषण - समकक्ष प्राक शास्त्री

14. कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार द्वारा पत्र सं. 741 दिनांक 13 जून, 2019

वेद भूषण – समकक्ष मध्यमा वेद विभूषण - समकक्ष उपशास्त्री

15. कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत-पुरातनाध्ययन विश्वविद्यालय, नलबारी, आसम द्वारा

पत्र सं. KBVS & ASU/Reg-I-C/101-411 दिनांक 2 मार्च, 2020

वेद भूषण – समकक्ष 10वीं वेद विभूषण - समकक्ष 12वीं (शास्त्री –बी.ए. में प्रवेश हेतु)

16. केन्द्रीय विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश, धर्मशाला द्वारा

पत्र सं. 1-1/हि.प्र.वि.वि./शै/2010/खंड – VI/4359 दिनांक 28 जुलाई, 2020

वेदविभूषण पाठ्यक्रम उत्तीर्ण छात्र विज्ञान संबंधी पाठ्यक्रम को छोडकर अन्य स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु योग्य हैं।

17. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली-110016 द्वारा

पत्र सं. F 3/12/LBSV/Acad./2020/2492 /357 दिनांक 11 सितम्बर, 2020

वेदविभूषण पाठ्यक्रम उत्तीर्ण छात्र (12वीं के समकक्ष) विविध स्नातक स्तर के पाठ्यक्रम में प्रवेशहेतु मापदण्ड पूर्ण करने पर प्रवेश हेतु योग्य है।

18. सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणासी, उत्तर प्रदेश द्वारा पत्र सं. SSVV/12/Shai.1114/2020 दिनांक 17 दिसम्बर, 2020

वेद भूषण - समकक्ष पूर्व मध्यमा वेद विभूषण – समकक्ष उत्तर मध्यमा

19. महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा पत्र क्र. म पा सं वि/अका/21-22/1102 दिनांक 07 फरवरी, 2022

वेद भूषण – 10वीं समकक्ष वेद विभूषण - 12वीं समकक्ष

टिप्पणी- इन विश्वविद्यालयों ने "वेद भूषण" और "वेद विभूषण" पाठ्यक्रमों को वेद, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, सामाजिक विज्ञान आदि आधुनिक विषयों के साथ निर्धारित पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण होने पर स्नातक पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु मान्यता दी है।